चेतन

विद्यालय दैनिक पत्रिका

शनिवार
बिहार
06 अप्रैल 2024
Saturday
वर्ष: 3
समस्तीपुर

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित

डांडी सत्याग्रह दिवस (नमक कानून तोड़ा गया)

2024-25
प्रवेशोत्सव
नामांकन अभियान

संपादकीय
चेतना सत्र
संविधान
विद्यालय समय सारणी & पाठ टीका
पीएम पोषण योजना
बैगलेस सुरक्षित शनिवार

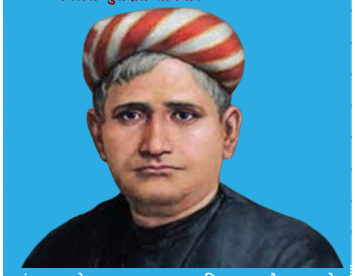

बांग्ला भाषा के प्रख्यात उपन्यासकार, कवि, गद्यकार और पत्रकार थे। भारत का राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' उनकी ही रचना है जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के काल में क्रान्तिकारियों का प्रेरणास्रोत बन गया था।

बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

की पुण्यतिथि पर कोटि - कोटि नमन।

26 या 27 जून 1838 - 08 अप्रैल 1894

अप्रैल						
सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	र.
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30					

10 ईदु उल फितर (ईद)
15 से ... ग्रीष्मावकाश

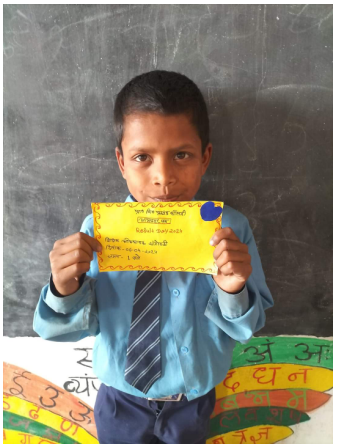

प्रधान संपादक

श्री अनिल कुमार प्रभाकर

संपादक

श्री कुन्दन कुमार

संपादक मंडल

श्री रंजीत कुमार रमण

श्री विनोद कुमार विमल

श्री बालविजय कुमार

कला एवं प्रबंध संपादक

श्री संतोष कुमार ठाकुर

श्रीमती बबिता कुमारी

श्रीमती रिंकु कुमारी

श्रीमती अध्याशा

श्रीमती अनुपमा कुमारी

मो० फरहान

श्री इंद्रजीत कुमार

सुश्री नेहा कुमारी

सुरक्षित शनिवार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत **अप्रैल** माह के **प्रथम शनिवार** का विषय है - **फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का चयन**

आप सभी अवगत है कि सत्र समाप्ति के उपरांत पूर्व के चयन सभी फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। क्योंकि इनका कार्यकाल एक वर्ष के लिए ही होता है। नये सत्र- 2024 - 2025 में फोकल शिक्षक एवं कक्षावार बाल प्रेरकों का चयन किया जाना है।

अतः विद्यालय के प्रधानाध्यापक से अनुरोध है कि दिनांक - 06-04-2024 (शनिवार)को फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का चयन प्रक्रिया पूर्ण कर ले।

- जिन विद्यालयों में फोकल शिक्षक अच्छा काम कर रहे हैं वह पूर्ववत बने रहेंगे, जहां बदलाव की जरूरत है वहां फोकल शिक्षक बदल सकते है।
- बाल प्रेरकों के रूप में वैसे बच्चों का चयन करना है जिनका संवाद संप्रेषण अच्छा हो।
- प्राथमिक विद्यालयों में केवल चौथी एवं पांचवी कक्षा के चार पांच बच्चे को बाल प्रेरक के रूप में चयन करें, जिससे पांचवी कक्षा के चयनित बाल प्रेरक दूसरे विद्यालय के छठी वर्ग में चले जाने की स्थिति में चौथी कक्षा के बच्चे शुरुआत से ही बाल प्रेरक के रूप में तैयार रहेंगे।
- इसी प्रकार अपर प्राइमरी या मध्य विद्यालयों में कक्षा 6 , 7 एवं 8 के तीन तीन बच्चों को बाल प्रेरक के रूप में चयन किया जाए।
- बाल प्रेरको में बाल संसद एवं मीना मंच के छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया जा सकता है

चेतना टीम

समस्तीपुर

पिन - 848207 (बिहार)

मो. +91 9473119007

Email : chetanastr@gmail.com

https://t.me/TeacherHelpline

https://www.teachersofbihar.org/

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

प्रिय गुरुजन !

आज समाज और देश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न है शिक्षा किस लिए दी जाए? विभिन्न मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षा विशारदों ने शिक्षा के विभिन्न उद्देश्य बतलाएँ हैं। किसी विद्वान का मत है कि "विद्या के लिए विद्या" है तो दूसरे विद्वान का मत है कि आजीविका या व्यवसाय के लिए तैयार करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ विद्वानों का मत है कि मनुष्य का शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा अन्य सभी पहलुओं से विकास करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ लोग सच्चरित्र निर्माण को शिक्षा का उद्देश्य मानते हैं।

वैदिक ऋषियों के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य है मानव का सर्वांगीण विकास अर्थात मानव जीवन का जो उद्देश्य है उस उद्देश्य तक पहुँचना ही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। मानव जीवन का उद्देश्य पुरुषार्थ-मोक्ष। इसके लिए हमें शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक सभी नियमों का ज्ञान होना चाहिए। घर में हम अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करें, समाज में कैसा उत्तम नागरिक बनें, साथियों के साथ कैसे व्यवहार करें, आजीविका के लिए क्या करें, सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याओं का क्या हल निकालें। संक्षेप में हर बात में हम पूर्ण हों किसी में अधूरी न रहें, यह वैदिक ऋषियों की शिक्षा का उद्देश्य है। यदि हम अपना सर्वांगीण विकास करते हुए पुरुषार्थ को प्राप्त कर सके, तो हमारी शिक्षा सफल शिक्षा है अन्यथा नहीं।

इसका निष्कर्ष यह है कि शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास और सर्वांगीण विकास का अर्थ है - मानसिक, शारीरिक और रचनात्मक कौशल का विकास। चेतना विद्यालय दैनिक पत्रिका इन उद्देश्यों की पूर्ति के साधनों का एक प्रमुख अंग है। **"चेतना"** विद्यालय दैनिक पत्रिका जहाँ एक ओर बालमन की कोमल भावनाओं के फूटते अंकुर का पोषण करती है वहीं बालमन का पल-पल विकास होते देखकर परम संतोष का अनुभव होता है ठीक वैसे ही जैसे खिलते हुए फूलों को देखकर माली को होता है जो उन्हें सींचता है।

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय विद्यालय दैनिक पत्रिका **"चेतना"** का आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है, पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। प्रकाशन से संबंधित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक उपयोगी बन पाया है।

फोकल शिक्षक, बाल प्रेरक और विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की गठन की प्रक्रिया

1. फोकल शिक्षकों के चयन की प्रकिया

- विद्यालय स्तर पर प्रधानाध्यापक की देखरेख एवं संरक्षण में इस कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। प्रधानाध्यापक अपने विद्यालय में इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु एक शिक्षक को फोकल शिक्षक के रूप में नामित कर उन्हें प्रशिक्षित करायेंगे।
- **नोटः** कक्षा 1 से 8 तक के विद्यालयों मे 1 तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यालयों में 2 फोकल शिक्षक होंगें।
- उच्च विद्यालयों में 2 फोकल शिक्षकों में से एक शिक्षिका होगी।

फोकल शिक्षक के कार्य दायित्व निम्नरूपेण होगें ।

- विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन और प्रशिक्षण करवाना।
- हजार्ड हंट तथा मैपिंग करवाना।
- विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण करवाना।
- बाल प्रेरकों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित करवाना।
- बाल प्रेरकों द्वारा **सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी** के अनुसार निर्धारित गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार को क्रियान्वित करवाना।
- बच्चों को दिये गये ज्ञान एवं कौशल का नियमित अभ्यास करवाना

2. बाल प्रेरक की अवधारणा–

क. प्राथमिक विद्यालयों में बाल प्रेरक का चयन

- प्राथमिक विद्यालयों में बाल प्रेरक के रूप में केवल चौथी एवं पॉचवीं कक्षा के 4–5 बच्चे को बाल प्रेरक के रूप में चयन किया जाये ताकि पॉचवीं कक्षा के चयनित बाल प्रेरक दूसरे विद्यालय के छठी वर्ग में चले जाने की स्थिति में चौथी वर्ग के बच्चे अगर शुरूआत से ही बाल प्रेरक के रूप में तैयार रहेगें तो एकाएक कक्षा बदलने से कार्य बाधित नहीं हो सकेगा। अतएव प्राथमिक विद्यालयों में चौथी वर्ग के बच्चे को भी बाल प्रेरक के रूप में तैयार किया जाय।

ख. मध्य विद्यालयों में बाल प्रेरक का चयन

- इसी प्रकार अपर प्राईमरी या मध्य विद्यालयों में कक्षा 6, 7 एवं 8 के 3–3 बच्चे को बाल प्रेरक के रूप चयन किया जाय।
- बाल प्रेरक में बाल–संसद एवं मीना मंच के छात्र– छात्राओं को भी शामिल किया जा सकता है।

ग. वर्ग 9 से 12 तक के विद्यालयों में बाल प्रेरकों का चयन

- विद्यालय में जितने वर्ग एवं सेक्सन चलते है प्रत्येक कक्षा हेतु 2 बाल प्रेरकों का चयन होगा। अर्थात् किसी विद्यालय में वर्ग 9 से 12 तक 4 सेक्सन चलते है यानि उस विद्यालय में 16 कक्ष में कक्षाओं का संचालन होता है तो उस विद्यालय में 16 x 2 = 32 बाल प्रेरकों का चयन होगा।

बाल प्रेरकों का चयन

- बाल प्रेरकों के रूप में वैसे बच्चों का चयन किया जायेगा जिनका संवाद संप्रेषण अच्छा हो। बाल प्रेरकों का चयन बच्चों द्वारा ही किया जायेगा।
- बाल प्रेरक के रूप में बालक एवं बालिकाओं को बराबर अवसर प्रदान किया जायेगा।
- बाल प्रेरकों को विभिन्न विषयों जैसे– भूकंप, बाढ़, अगलगी, ठनका, सड़क दुर्घटना, सुखाड़, भगदड़, जलवायु परिवर्तन, सर्पदंश, पेयजल, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वच्छता में व्यवहार परिवर्तन अधिनियम, डायरिया, निमोनिया जैसे बीमारियों के प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव, स्वास्थ्य एवं पोषण, पॉक्सो एक्ट इत्यादि पर प्रशिक्षित कराया जाएगा।
- विद्यालय के अन्य सभी बच्चों को विभिन्न आपदा के बारे में जानकारी एवं कौशल विकास हेतु बाल प्रेरक के द्वारा पढ़ाने/सीखने (पीयर–टू–पीयर एजुकेशन) विधि का प्रयोग किया जायेगा।
- प्रत्येक प्रशिक्षित बाल प्रेरक को अलग–अलग कक्षा के बच्चों को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी बॉटकर, सुरक्षित शनिवार के वार्षिक सारणी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को सीखने–सिखाने हेतु प्रेरित किया जाए। जब बाल प्रेरक अन्य बच्चे को प्रशिक्षित कर रहे हो तब उन्हें उत्साहित किया जाए तथा यथासंभव उन्हें सुझाव/सलाह दी जाए।
- बाल प्रेरकों को एक दिन पूर्व ही फोकल शिक्षक विषय की जानकारी देंगे एवं पूर्व तैयारी करवाना सुनिश्चित करेंगे।
- बाल प्रेरकों को नियमित रूप से प्रशिक्षित एवं क्षमता को विकसित करने की आवश्यकता होगी।

3. विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति गठन की प्रक्रिया

- विद्यालय समुदाय जिसमें विद्यालय के बच्चे, शिक्षक, अभिभावक एवं विद्यालय शिक्षा समिति के 3 मनोनीत सदस्य शामिल होगें, के साथ बैठक कर कार्यक्रम के उद्देश्य, विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की संरचना एवं रूपरेखा के बारे में विस्तार से चर्चा करायी जाए।
- समिति में बाल संसद के सभी मंत्री, फोकल शिक्षक, विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष तथा अलग–अलग कक्षाओं के 2–3 बाल प्रेरक शामिल होंगे।
- बाल–संसद में अन्य मंत्रियों के अलावे एक बाल सुरक्षा मंत्री तथा उसके उप–मंत्री नामित किये जाएंगे। इन दोनों को भी विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति में शामिल किया जाएगा।
- अपर प्राईमरी या मध्य विद्यालयों में मीना मंच की मीना और उप–मीना/सहायक मीना को भी विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति में शामिल किया जाएगा। विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का आकार अधिकतम 12–13 सदस्यों का होगा।
- प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति सदस्यों को उनके कार्यदायित्व के बारे में बताया जाये तथा माह में एकबार बैठक करने की तिथि भी निर्धारित कर लिया जाये। समिति के बैठक हेतु एजेण्डा भी बनाये जा सकते है, जैसे– बैठक की तिथि के पूर्व किये गये कार्यों की समीक्षा, योजना के अनुसार संपादित गतिविधियाँ एवं लंबित कार्यो को अलग–अलग सूचीबद्ध करना, अगले माह की कार्ययोजना पर चर्चा एवं उसके क्रियान्वयन हेतु जिम्मेवारी तय करना तथा इसके अनुश्रवण एवं निगरानी के तरीके पर चर्चा इत्यादि।
- इसी प्रकार निजी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति एवं बच्चों को शामिल कर विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया जाए।
- मदरसा बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों में मदरसा विद्यालय प्रबंधन समिति एवं बच्चों को शामिल कर विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया जाए।

प्राथमिक विद्यालयों में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की संरचना

क्रम संख्या	सदस्य	पदनाम	संख्या
1.	VSS के अध्यक्ष (वार्ड सदस्य)	अध्यक्ष	1
2.	फोकल शिक्षक	सचिव	1
3.	बाल संसद के 6 मंत्री	सदस्य	6
4.	बाल सुरक्षा मंत्री एवं उपमंत्री	सदस्य	2
5.	बाल प्रेरक	सदस्य	3
कुल			13

मध्य विद्यालयों में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की संरचना

क्रम संख्या	सदस्य	पदनाम	संख्या
1.	VSS के अध्यक्ष (वार्ड सदस्य)	अध्यक्ष	1
2.	फोकल शिक्षक	सचिव	1
3.	बाल संसद के 6 मंत्री	सदस्य	6
4.	बाल सुरक्षा मंत्री एवं उपमंत्री	सदस्य	2
5.	मीना एवं उप मीना	सदस्य	2
6.	एक बाल प्रेरक		1
कुल			13

उच्च विद्यालयों में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की संरचना

क्रम संख्या	सदस्य	पदनाम	संख्या
1.	प्रधानाध्यापक	अध्यक्ष	1
2.	फोकल शिक्षक	सचिव	1
3.	फोकल शिक्षक	संयोजक	1
4.	युथ क्लब/इको क्लब/किशोरी मंच/बाल प्रेरक	सदस्य	10
कुल			13

नोटः उच्च विद्यालयों में सचिव और संयोजक का पद Rotation के आधार पर मासिक परिवर्तन होगा।

मदरसा विद्यालयों में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की संरचना

क्रम संख्या	सदस्य	पदनाम	संख्या
1.	मदरसा का सचिव	अध्यक्ष	1
2.	फोकल शिक्षक	सचिव	1
3.	अत्फाले अंजूम	सदस्य	4
4.	अत्फाले तरधीन दाहिंदा	सदस्य	4
5.	क्लास निगरा	सदस्य	3
कुल			13

निजी विद्यालयों में विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति की संरचना

क्रम संख्या	सदस्य	पदनाम	संख्या
1.	प्रबंध समिति के सचिव	अध्यक्ष	1
2.	फोकल शिक्षक	सचिव	1
3.	क्लास मॉनिटर, बाल प्रेरक, हाउस कॉर्डिनेटर से 11 छात्र/छात्रा	सदस्य	11
कुल			13

राकेश
मास्टर ट्रेनर
मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

चेतना सत्र

चेतना

06 अप्रैल 2024 Saturday शनिवार समस्तीपुर वर्ष 03

1. प्रार्थना

प्रार्थना

दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा को शुद्धता देना॥
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अंधेरे दिल में आकर के परम ज्योति जगा देना॥
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलो में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिलजुल कर, प्रभु रहना सिखा देना॥
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा
सदा ईमान हो सेवा, हो सेवकचर बना देना।
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पर जा फ़िदा करना, प्रभु हमको सिखा देना॥
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
दया करना, हमारी आत्मा, को शुद्धता देना
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना...
दया कर, दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना।
दया करना, हमारी आत्मा को शुद्धता देना॥

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएगें, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशायें।
मंजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगें, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

अवसर का इंतज़ार करने वाले लोग साधारण होते हैं। असाधारण लोग तो अवसरों के जन्मदाता होते हैं।

आज से हम अवसरों का इंतज़ार करने के बजाय उनका निर्माण करें...

3. शब्द ज्ञान

English		
TOUGH	*टफ*	कठोर
NICE	*नाइस*	अच्छा
FINE	*फाइन*	अच्छा
SILLY	*सिल्ली*	नासमझ
DARK	*डार्क*	अंधेरा

हिन्दी	
संकरा	पतला, संकीर्ण
संकल्प	निश्चय
सम्मान	आदर
अंत	समाप्ति, अवसान।
अंतर	भेद, भिन्नता।

संस्कृत	
खगा:	चिड़िया
तिस्र: (स्त्री०)	तीन
क्रीडन्ति	खेलती हैं /खेलता हैं
त्रीणि (नपुं०)	तीन
पत्राणि	पत्ते

اردو (उर्दू)		
کشود	*Kushud*	उन्नति
کشیدہ	*Kasheeda*	दुखी
کفیل	*Kafeel*	अभीवावक
کگار	*Kagaar*	किनारा
کلاب	*Kelab*	कुत्ते

4. दिवस ज्ञान

डांडी सत्याग्रह दिवस (नमक कानून तोड़ा गया)

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. मिरातुल पत्रिका का संपादन किसने किया?	:	राजा राममोहन राय
2. सुलभ समाचार पत्र का संपादन किसने किया?	:	केशव चंद्र सेन
3. संवाद कौमुदी पत्रिका का प्रकाशन किसने दिया?	:	राजा राममोहन राय
4. हिंदुस्तान रिव्यू पत्रिका का प्रकाशन किसने किया ?	:	सच्चिदानंद सिन्हा
5. भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता किसे कहा जाता है?	:	चार्ल्स मेटकाफ

6. तर्क ज्ञान

1. रसभरा' कौन-सा तत्पुरुष समास है ?	:	करण-तत्पुरुष
2. यदि A का 60% = B का 3/4 हो तो A : B = ?	:	5 : 4
3. किस पदार्थ में प्रोटीन नहीं पाया जाता है?	:	चावल
4. भू-वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय पर्वत पहले क्या था?	:	टिथिस नामक समुद्रा
5. किस खेल में 'बुल्स आई' शब्द का प्रयोग किया जाता है ?	:	शूटिंग

7. पर्यायवाची शब्द

1. कुबेर	:	यक्षराज ,धनाधीश ,नरवाहन
2. कल्याण	:	शिव, मंगल, शुभ
3. कसम	:	सौगंध ,प्रतिज्ञा ,शपथ
4. कीर्ति	:	यश, ख्याति ,समज्ञा
5. क्रोध	:	प्रतिघा ,गुस्सा रोष

8. प्रेरक प्रसंग

!! बूढ़े गिद्ध की सलाह !!

एक बार गिद्धों का झुण्ड उड़ता-उड़ता एक टापू पर जा पहुँच। वह टापू समुद्र के बीचों-बीच स्थित था। वहाँ ढेर सारी मछलियाँ, मेंढक और समुद्री जीव थे। इस प्रकार गिद्धों को वहाँ खाने-पीने को कोई कमी नहीं थी। सबसे अच्छी बात ये थी कि वहाँ गिद्धों का शिकार करने वाला कोई जंगली जानवर नहीं था। गिद्ध वहाँ बहुत ख़ुश थे. इतना आराम का जीवन उन्होंने पहले देखा नहीं था।

उस झुण्ड में अधिकांश गिद्ध युवा थे। वे सोचने लगे कि अब जीवन भर इसी टापू पर रहना है. यहाँ से कहीं नहीं जाना, क्योंकि इतना आरामदायक जीवन कहीं नहीं मिलेगा।

लेकिन उन सबके बीच में एक बूढ़ा गिद्ध भी था। वह जब युवा गिद्धों को देखता, तो चिंता में पड़ जाता। वह सोचता कि यहाँ के आरामदायक जीवन का इन युवा गिद्धों पर क्या असर पड़ेगा? क्या ये वास्तविक जीवन का अर्थ समझ पाएंगे? यहाँ इनके सामने किसी प्रकार की चुनौती नहीं है। ऐसे में जब कभी मुसीबत इनके सामने आ गई, तो ये कैसे उसका मुकाबला करेंगे?

बहुत सोचने के बाद एक दिन बूढ़े गिद्ध ने सभी गिद्धों की सभा बुलाई। अपनी चिंता जताते हुए वह सबसे बोला, "इस टापू में रहते हुए हमें बहुत दिन हो गए हैं। मेरे विचार से अब हमें वापस उसी जंगल में चलना चाहिए, जहाँ से हम आये हैं। यहाँ हम बिना चुनौती का जीवन जी रहे हैं। ऐसे में हम कभी भी मुसीबत के लिए तैयार नहीं हो पाएंगे।"

युवा गिद्धों ने उसकी बात सुनकर भी अनसुनी कर दी. उन्हें लगा कि बढ़ती उम्र के असर से बूढ़ा गिद्ध सठिया गया है। इसलिए ऐसी बेकार की बातें कर रहा है। उन्होंने टापू की आराम की ज़िन्दगी छोड़कर जाने से मना कर दिया।

बूढ़े गिद्ध ने उन्हें समझाने की कोशिश की, "तुम सब ध्यान नहीं दे रहे कि आराम के आदी हो जाने के कारण तुम लोग उड़ना तक भूल चुके हो. ऐसे में मुसीबात आई, तो क्या करोगे? मेरे बात मानो, मेरे साथ चलो।"

लेकिन किसी ने बूढ़े गिद्ध की बात नहीं मानी. बूढ़ा गिद्ध अकेला ही वहाँ से चला गया। कुछ महीने बीते। एक दिन बूढ़े गिद्ध ने टापू पर गये गिद्धों की ख़ोज-खबर लेने की सोची और उड़ता-उड़ता उस टापू पर पहुँचा।

टापू पर जाकर उसने देखा कि वहाँ का नज़ारा बदला हुआ था। जहाँ देखो, वहाँ गिद्धों की लाशें पड़ी थी। कई गिद्ध लहू-लुहान और घायल पड़े हुए थे। हैरान बूढ़े गिद्ध ने एक घायल गिद्ध से पूछा, "ये क्या हो गया? तुम लोगों की ये हालात कैसे हुई?"

घायल गिद्ध ने बताया, "आपके जाने के बाद हम इस टापू पर बड़े मज़े की ज़िन्दगी जी रहे थे। लेकिन एक दिन एक जहाज़ यहाँ आया. उस जहाज से यहाँ चीते छोड़ दिए गए। शुरू में तो उन चीतों ने हमें कुछ नहीं किया। लेकिन कुछ दिनों बाद जब उन्हें आभास हुआ कि हम उड़ना भूल चुके हैं। हमारे पंजे और नाखून इतने कमज़ोर पड़ गए हैं कि हम तो किसी पर हमला भी नहीं कर सकते और न ही अपना बचाव कर सकते हैं, तो उन्होंने हमें एक-एक कर मारकर खाना शुरू कर दिया। उनके ही कारण हमारा ये हाल है. शायद आपकी बात न मानने का ये फल हमें मिला है।"

सीख

अक्सर कम्फर्ट जोन (Comfort Zone) में जाने के बाद उससे बाहर आ पाना मुश्किल होता है। ऐसे में चुनौतियाँ आने पर उसका सामना कर पाना आसान नहीं होता। इसलिए कभी भी कम्फर्ट ज़ोन (Comfort Zone) में जाकर ख़ुश न हो जाएँ। ख़ुद को हमेशा चुनौती (Challenge) देते रहे और मुसीबत के लिए तैयार रहें। जब तब आप चुनौती का सामना करते रहेंगे, आगे बढ़ते रहेंगे।

संविधान

चेतना

06 अप्रैल 2024 Saturday शनिवार समस्तीपुर वर्ष 03

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्!
शुभ्रज्योत्सनाम् पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्॥

- बंकिमचन्द्र चटर्जी

मौलिक अधिकार

1. *समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)*
2. *स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)*
3. *शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)*
4. *धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)*
5. *संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)*
6. *संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)*

संविधान में उपबंधित मौलिक कर्तव्य

1. *संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।*
2. *स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।*
3. *भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।*
4. *देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।*
5. *भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।*
6. *हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।*
7. *वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।*
8. *मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।*
9. *सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।*
10. *व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।*
11. *6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें संविधान द्वारा जोड़ा गया)*

भारत के संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

समय सारणी पाठ टीका

चेतना

06 अप्रैल 2024 Saturday शनिवार समस्तीपुर वर्ष 03

ज्ञापांक : 01/मा०शि०-स्था ख -88/2015 - 553 दिनांक :- 20-02-2024

समय			10:00 - 10:40	10:40 - 11:20	11:20 - 12:10	12:10 - 12:50	12:50 - 01:30	01:30- 02:10	02:10 - 02:50	02:50 - 03:30	03:30 - 04:00		
			07:15 - 08:00	08:00 - 08:35	08:35 - 09:10	09:10 - 09:45		09:45 - 10:20	10:20 - 10:55	10:55 - 11:30	11:30 - 12:00		
वर्ग	घंटी		पहली	दूसरी	तीसरी	चौथी		पंचमी	छठी	सप्तमी	आठमी		
1		साफ-सफाई, चेतना सत्र - प्रार्थना	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	मध्यांतर / मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	मिशन दक्ष के लिए अंतर्गत विशेष कक्षा (सोमवार से शनिवार)	वर्ग 1-2 के बच्चों को छोड़कर शेष वर्ग के बच्चों के होमवर्क को चेक करना, पाठ टीका (lesson plan) तैयार करना एवं मिशन दक्ष के बच्चों का प्रोफाइल तैयार करना एवं मिशन दक्ष की विशेष कक्षा लेना, साप्ताहिक मूल्यांकन के आधार पर छात्र-छात्राओं का प्रोफाइल तैयार करना इत्यादि ।
2			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		
3			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		
4			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		
5			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		
6			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी) प्रोजेक्ट वर्क/	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी) प्रोजेक्ट वर्क/	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		
7			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी) प्रोजेक्ट वर्क/	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी) प्रोजेक्ट वर्क/	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		
8			बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन	बैगलेस सुरक्षित शनिवार गतिविधि/साप्ताहिक मूल्यांकन		बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी) प्रोजेक्ट वर्क/	बाल संसद/PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी) प्रोजेक्ट वर्क/	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)	बाल संसद/ PTM (अभिभावक शिक्षक संगोष्टी)		

नोट:- 1. उपरोक्त वर्ग - समय सारिणी सुझावात्मक है। 2. विद्यालय अपने संसाधनों यथा - शिक्षक, छात्र, वर्ग कक्ष, सेक्शन की संख्या आदि की उपलब्धता के आधार पर उपरोक्त वर्ग - समय सारणी में परिवर्तन कर सकता है। 3. जिन विद्यालयों में पुस्तकालय है वहाँ बच्चों को सप्ताह में किसी दो अलग-अलग घटियों में पुस्तक पढ़ने को प्रेरित किया जा सकता है। 4. प्रत्येक सप्ताह में सभी विषय की साप्ताहिक मूल्यांकन विद्यालय अपनी सुविधा अनुसार किसी भी दिन किसी भी घंटी करेंगे।

पाठ टीका NOTES ON LESSONS

दिनांक	घंटी	कक्षा	विषय	प्रस्तावित पाठ की संक्षिप्त टिप्पणी	कृष्णपट-कार्य	अभ्युक्ति
Date	Period	Class	Subject	Brief notes on lessons proposed	Black Board work	Remarks
06 अप्रैल 2024		सभी	चेतना सत्र	साफ-सफाई, प्रार्थना, व्यायाम एवं अन्य आयाम		
	1					
	2					
	3					
	4					
		सभी	मध्यांतर / मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम			
	5					
	6					
	7					
	8	पाठ टीका का संधारण				

शिक्षक का हस्ताक्षर

पीएम पोषण योजना

चेतना

06 अप्रैल 2024 | Saturday | शनिवार | समस्तीपुर | वर्ष 03

पीएम पोषण योजना का मेनू : -

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
06 अप्रैल 2024	शनिवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- ***बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।***
- *बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।*
- ***बच्चों के बीच सामाजिक समता।***
- *बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।*
- ***बच्चों के छीजन में कमी।***
- *नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।*
- ***बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।***

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-10-2022 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	103.00	2.06
सब्जी	50 Gram	22.00	1.10
तेल	5 Gram	121.00	0.60
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.49
जलावन	100 Gram	12.00	1.20
		कुल =	5.45

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	103.00	3.09
सब्जी	75 Gram	22.00	1.65
तेल	7.5 Gram	121.00	0.90
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.73
जलावन	150 Gram	12.00	1.80
		कुल =	8.17

साप्ताहिक मेनू		
क्र.	दिन	मेनू
1.	सोमवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
2.	मंगलवार	जीरा चावल + सोयाबीन आलू की सब्जी
3.	बुधवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल
4.	गुरुवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
5.	शुक्रवार	पुलाव + काबुली चना + लाल चना का छोला + हरा सलाद + उबला अंडा / मौसमी फल
6.	शनिवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल

माह -अप्रैल क्षेत्र (Domain) - " मैं हूँ निर्माणकर्ता "

क्रम संख्या	गतिविधि का नाम	गतिविधि का विवरण	वीडिओ देखने के लिए QR कोड स्कैन करें
1.1	स्थानीय भाषा का शब्दकोश निर्माण Local language dictionary creation	शिक्षक बच्चों को अपने आस-पास की स्थानीय भाषा एवं बोलचाल के शब्दों को संग्रहित करने के लिए प्रेरित करेंगे और इससे शब्दकोश का निर्माण कराएंगें।	
1.2	पोस्टर ,ग्रीटिंग एवं विभिन्न कार्ड निर्माण Making Poster / Greetings and Various type of Cards.	पुराने शादी कार्ड, चार्ट पेपर एवं अन्य सामग्रियों के माध्यम से हम खूबसूरत पोस्टर/ ग्रीटिंग कार्ड का निर्माण कर सकते हैं। प्रभात फेरी एवं अन्य कार्यक्रमों में इसका प्रयोग किया जा सकता है।	
1.3	खिलौना निर्माण Toy Making	खाली बोतल, माचिस की तीली, रबर , लकड़ी के छोटे टुकड़े आदि ढेरों ऐसी सामग्रियों से हम अनेक छोटे छोटे खिलौने बना सकते हैं एवं पाठ्य पुस्तक में दिए गए गतिविधियों में इसका आसानी से प्रयोग कर सकते हैं।	
1.4	विभिन्न विषयों पर प्रोजेक्ट निर्माण Project Work on Various Subjects	शिक्षक बच्चों को विभिन्न विषयों पर प्रोजेक्ट निर्माण हेतु प्रेरित करेंगे। ऐसे प्रोजेक्ट निर्माण हेतु कम लागत अथवा बेकार के चार्ट पेपर का प्रयोग किया जा सकता है। प्रोजेक्ट निर्माण से बच्चे सरलता से सीखते हैं।	
1.5	बाल अखबार/पत्रिका बनाना/Making of Children's newspaper/magazine	बाल पत्रिका एवं अखबार बच्चों के सीखने में काफी मददगार हो सकता है। इसके लिए शिक्षक 'बाल मन कोना' का प्रयोग कर सकते हैं।	
1.6	स्थानीय चित्रकला निर्माण (मधुबनी,मंजूषा,टिकुली,कोहबर आदि) Local Painting (Madhubani, Manjusha, Tikuli and Kohbar etc.	बिहार राज्य के स्थानीय चित्रकला जैसे मिथिला की मधुबनी पेंटिंग , भागलपुर का मंजूषा , पटना का टिकुली एवं कोहबर आदि कलाओं से बच्चों को परिचित कराया जा सकता है। इसके लिए समय- समय पर स्थानीय कलाकारों को भी बुलाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त पटना कलम, सांझी के बारे में भी बताया जा सकता है।	
1.7	हस्तशिल्प यथा टोकरी,चटाई,आसनी आदि का निर्माण Handicraft - Making of Basket, Mat	हाथों और सरल औजारों की सहायता से बनायी जाने वाली हस्तकला का अपना धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व होता है। बांस या कागज से चटाई, टोकरी आदि का निर्माण बच्चों से करवाया जा सकता है। स्थानीय कलाकारों के यहाँ बच्चों को भ्रमण भी कराया जा सकता है।	
1.8	टंग ट्विस्टर बनाना और उच्चारण Making of tongue twister and pronunciation	जब एक ही तरह के शब्दों से वाक्य बनाकर उसे जल्दी-जल्दी सही उच्चारण के साथ बोलने को कहा जाए तो उसे टंग ट्विस्टर कहते हैं। जैसे - समझ-समझ के समझ को समझो, समझ समझना भी एक समझ है, समझ-समझ के जो ना समझे मेरी समझ में वो नासमझ है	
1.9	पहेली निर्माण और संग्रह Making and riddles	इस दिन शिक्षक द्वारा छात्रों के साथ मिलकर तरह-तरह के पहेली/बुझौअल का निर्माण, संग्रह कर बच्चों के बीच बूझो तो जाने जैसी गतिविधि आयोजित की जा सकती है।	
1.10	ऑरगामी (कागज का नाव, जहाज इत्यादि) Origami (Paper boat, plane etc.)	ऑरगामी वह कला है, जिसमें कागज को कई डिजाइनों में फोल्ड किया जाता है, जिससे एक आकृति बनती है। जापानी भाषा में 'ओरू' का मतलब होता है फोल्ड करना और 'गेमी' का मतलब पेपर यानी पेपर को फोल्ड करना।	

सप्ताह	गर्मी			बरसात				जाड़ा (सर्दी)				गर्मी की छुट्टी
	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च
प्रथम शनिवार	फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेरकों का चयन	विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का सूत्रण	अपने गाँव के बच्चों के साथ गाँव / टोले / मोहल्ले का बाल सुरक्षा समिति के मदद से हजार्ड हंट	हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, आसपास की साफ–सफाई, कचरा प्रबंधन की जानकारी एवं अभ्यास	पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी	डायरिया के संबंध में जानकारी तथा ओ. आर.एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण एवं अभ्यास	दशहरा / छठ / मुहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव (प्राथमिक उपचार, सी.पी. आर. सहित)	भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी	निमोनिया एवं सर्दी–खाँसी / जुकाम, आँख एवं त्वचा का संक्रमण, चेचक से खतरे तथा इसके बचाव के उपाय की जानकारी	शीतलहर तूफान से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी	भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)	अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी
द्वितीय शनिवार	विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन / पुर्नगठन	विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का सूत्रण	अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं अगलगी से बचाव का अभ्यास	भूकम्प के संदर्भ. में कौशल विकास, मॉकड्रिल तथा अभ्यास	बाढ़ से खतरे एवं बचाव के उपाय, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)	रेल / सड़क दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी	हाथ धुलाई, खुले में शौच के खतरे, सुरक्षित मल का निपटान के संदर्भ में जानकारी	रेल / सड़क दुर्घटना से खतरे एवं उपाय के संदर्भ में जानकारी	कुपोषण से होनेवाली परेशानियाँ एवं उसके समाधान के संदर्भ में जानकारी	चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में सावधानी
तृतीय शनिवार	हजार्ड हंट	बज्रपात (ठनका) एवं चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी	अवकाश के दौरान हजार्ड हंट एवं लू / गरम हवा, वज्रपात से बचाव का अभ्यास	वज्रपात से बचाव की जानकारी	साँप–बिच्छू एवं अन्य विषैले जीव–जन्तुओं के काटने से होनेवाली परेशानियाँ एवं समाधान के संदर्भ में जानकारी	भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)	दीवाली के पटाखों एवं प्रदूषण से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी	भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)	जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़–पौधों का संरक्षण के संदर्भ में जानकारी	भूकंप के संदर्भ में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)	बिजली से घात, जल जमाव से परेशानियाँ तथा बोरिंग के गड्ढे से होनेवाली घटनाओं के बारे में जानकारी	डायरिया के संबंध में जानकारी तथा ओ. आर. एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण एवं अभ्यास
चतुर्थ शनिवार	अगलगी से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी	अगलगी, लू से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी	अवकाश के दौरान अपने गाँव के बच्चों के साथ गाँव/ टोले का हजार्ड हंट एवं आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण	बाढ़ से बचाव हेतु कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)	नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी	बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के संदर्भ में जानकारी	सड़क दुर्घटना से बचाव के संद. र्भ में जानकारी	बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के संदर्भ में जानकारी	शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी।	बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के संदर्भ में जानकारी	जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़–पौधे का संरक्षण के संदर्भ में जानकारी	AES/JE से बचाव के बारे में जानकारी

- किसी माह पॉचवे शनिवार पड़ने की स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधित जानकारी देगें एवं उसका अभ्यास करायेगें।
- जुलाई के प्रथम पखवारे में विद्यालय सुरक्षा पखवारा तथा 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस प्रत्येक विद्यालय में आयेजित होगा। विद्यालय सुरक्षा पखवारे में क्षेत्र विशेष को प्रभावित करने वाले सभी आपदाओं (सुखाड़ सहित) पर आधारित कार्यक्रम किये जाएगें।
- स्थानीय विशेष कारणों से सप्ताह में वर्णित गतिविधियों को आगे–पीछे किया जा सकता है।
- विद्यालय में लंबी छुट्टी होने की स्थिति में बच्चों को होमवर्क के रूप में विद्यालय सुरक्षा से संबंधित विषयों का अभ्यास एवं उसपर चर्चा करने संबंधी कार्य दिये जाएं।

चेतना टीम

बिथान, समस्तीपुर

पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : **9473119007**

Email ID : chetanastr@gmail.com

WhatsApp : https://chat.whatsapp.com/BgYPOv5HKSv2Vx6uoX1LOZ

Telegram : https://t.me/TeacherHelpline

Facebook : https://www.facebook.com/Anil9473119007

TEACHERS OF BIHAR

Patna (Bihar)

Mobile : **7250818080**

Website : www.teachersofbihar.org

Email ID : teachersofbihar@gmail.com

Facebook : https://www.facebook.com/teachersofbihar

Youtube : https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

Instagram : https://instagram.com/teachersofbihar

Twiter : https://twitter.com/teachersofbihar